

— समुप 1) mit sich führen, strömen lassen: (नदी) शोषितं समुपाव-
क्तम् MBh. 9, 2400. — 2) pass. heranrücken, einbrechen, beginnen: रा-
त्रिश्च समुपावृत्ते Hariv. 7569. संग्रामे समुपावृत्ते Āc. Grh. 3, 12, 1. इन्द्रो
समुपावृत्ति so v. a. aufgegange Uttarak. 99, 14 (131, 14). könnte eben so
gut zu 1. ऊक्तु gezogen werden.

— नि 1) hernieder —, hereinführen zu (dat. oder loc.): रथेन नः शं
योन्यश्चिना वक्तुं पृष्टे अस्मिन् RV. 7, 69, 5. पत्नीर्विमदाय 1, 112, 19. 116,
1. 10, 39, 7. ज्ञायाम् 1, 117, 20. 119, 4. अश्वम् 117, 9. ऊर्जम् 6, 63, 3. 10, 42,
8. Cat. Br. 12, 2, 3, 11. med.: पूतो नो अत्र न्युक्तीत वातो RV. 7, 37, 6.
— 2) fließen: पद्मा निवर्क्येता गुडकुल्याः MBh. 12, 10318. — 3) tra-
gen, erhalten: जगन्निवर्क्येता (partic.) Git. 1, 16. — Vgl. निवर्क, निवार्क.
— caus. in Bewegung setzen: ऊर्ध्वं चापि निवार्क्यतां (= प्रापयतु Nlak.)
प्राप्ता वै तोमरास्तथा Hariv. 3009. st. dessen प्रवार्क्यताम् 3487.

— परिणि P. 8, 4, 17, Schol.

— प्रणि P. 8, 4, 17, Schol. प्रणयवानीत् Vop. 8, 22. 134.

— निम् 1) herausführen, retten aus (abl.): aus dem Wasser RV. 4,
117, 14. fg. 6, 62, 6. डुरितात् AV. 12, 2, 47. wegschaffen 18, 2, 27. यानेन
मृतम् Lit. 8, 5. 6. wegschöpfen: श्रौघ श्माः सर्वाः प्रजा निर्वोढा Cat. Br. 4,
8, 1, 2. 6. — 2) ausführen, zu Stande bringen: कर्म सुच. 1, 12, 24. — 3)
zu Stande kommen, gelingen: तत्कर्म निर्वहेच्च नः Kathās. 32, 32. चर्या
विना योगो ऽपि न निर्वहति Sarvadarśanas. 82, 11. zu seinem Ziele ge-
langen, glücklich über Etwas hinwegkommen Çuk. in LA. (III) 37, 22. गृ-
हस्थाश्रयेण सर्वान्निमिषो निर्वहति Kull. zu M. 3, 77. — Vgl. निवृत्ति,
निर्वहण fg., निर्वार्क, निर्वार्क्य, निर्वार्क्य, निर्वार्क्य. — caus. zu Ende
bringen, verbringen: बाल्यसमयम् Pañkat. 219, 14. ausführen, vollfüh-
ren, zu Stande bringen: कुरुम्बकम् Kathās. 66, 107. मैत्रीम् 53, 211. प्र-
तिपन्नमर्थम् 76, 42. प्रतिज्ञातं कार्यम् 123, 174. Hit. 106, 4. — Vgl. नि-
वार्क fg.

— परा wegführen, wegschaffen zu (dat.) RV. 5, 61, 17. दुःषष्ट्यमान्याय
परा वक् 8, 47, 14. AV. 16, 6, 3. 7. 11. परा च वक्तुं तं पर्यदेनान् RV. 10,
61, 23. विष्णु AV. 10, 4, 20. — Vgl. परावर्क.

— परि act. P. 1, 3, 82, Schol. 1) herumführen: परि वामश्चो वक्तु-
भीकै RV. 4, 118, 5. AV. 11, 3, 15. 12, 5, 3. सोमम् Cat. Br. 3, 2, 3, 17. 3, 3,
17. 4, 8. Kāt. Çr. 14, 1, 16. 15, 3, 42. 4, 3. Ait. Br. 1, 14. umherschleifen:
कृतान्परिवर्क्येताः (नागाः) MBh. 7, 839. — 2) herumfließen: आपः परिव-
र्क्येताः TS. 7, 4, 14, 1. Āpast. in TS. II, 109, 6. — 3) den Hochzeitszug
oder die Braut führen (vom Vaterhaus in das des Gatten); heimführen,
heirathen: पुमस्य माता पुण्यमाणा ननाश RV. 10, 17, 1. अर्जुन्योः पुण्यते
83, 13. तुभ्यमग्रे पर्यवर्क्येता वक्तुना सक् 38. Buāg. P. 3, 21, 15. — Vgl.
परिवर्क, परिवार्क, परिवार्क्य.

— प्र act. P. 1, 3, 81. Vop. 22, 1. 1) weiterführen, vorwärts ziehen RV.
10, 94, 6. (सोमः) प्रोक्तमाणाः VS. 8, 55. Ait. Br. 1, 13. क्विधने 29. रथ देव
प्रवर्क Āc. Grh. 2, 6, 5. Çāñkh. Çr. 9, 5, 3. कथं रथं तया कीनं प्रवह्यति
क्योत्तमाः R. 2, 32, 43. R. Gorr. 2, 109, 35. im Fließen mitführen, weg-
schöpfen: (गङ्गा) प्रवहती शिलाः R. 4, 44, 63. इमाम् प्र वक्तुं डुरितम् RV.
1, 23, 22. 10, 17, 10. VS. 6, 17. आपो मरीचीः प्रवक्तुं नो धियः Āc. Grh.
2, 4, 14. hinfließen, fließen: प्रवीरमुपपाषाणाः प्रावर्क्युत्तराप्याः Ka-
thās. 116, 65. अद्यापि कुतवाहिन्यः प्रवर्क्युत्तराप्ये Rāga-Tar. 4, 306.

प्रवर्क्यलानाम् Kull. zu M. 3, 163. hinbrausen, wehen: कालेन शीघ्राः
प्रवहन्ति वाताः Spr. 3922. zuführen: तत्र दिव्यानि पुष्पाणि प्रावर्क्य-
वनस्तदा MBh. 13, 3888. आमोदम् Buāt. 8, 52. hinführen zu (acc.): वि-
षयान् MBh. 12, 11170. med. davonfahren: प्र यद्वेदे मर्हिना रथस्य RV.
1, 180, 9. प्रैतेशिर्वर्क्यमान् घोडांसा 10, 49, 7. 77, 6. — 2) tragen: राजधु-
राम् Buāt. 3, 54. — 3) an sich tragen, haben, an den Tag legen, aus-
sern: भक्तिं त्वयि Bhāg. P. 4, 9, 11. 12, 18. — प्रोक्त fortziehend, aus-
nehmend Vop. 6, 53, Anf. gehört zu 1. ऊक्त. — Vgl. प्रवर्क fg., प्रवार्क,
प्रवार्क्य, प्रवार्क्य, प्रवार्क्य. — caus. 1) fortfahren lassen so v. a. weg-
schicken: die Väter Āc. Çr. 2, 7, 9. — 2) im Fließen entführen, pass.
fortgeschwemmt werden: स त्वेवं नैकधा किञ्च तारन्यो प्रवार्क्यते Mārk.
P. 14, 68. — 3) in Bewegung setzen, in Gang bringen: ऊर्ध्वं चापि प्रवा-
क्यतां प्राप्ता वै तोमराणि च Hariv. 3487 (निवार्क्यतां st. dessen 3009).
लोकयात्राम् R. ed. Bomb. 2, 109, 27. — 4) losemprawahtinm MBh. 6, 1919
fehlerhaft für losemprawahtinm (s. d.), wie die ed. Bomb. liest. — Vgl.
प्रवार्क, प्रवार्क्य.

— अतिप्र darüber hinaus führen, — ziehen: कन्दः Çāñkh. Br. 11, 5.

— अनुप्र 1) umherfahren, umherführen: स मां रथेनानुप्रावर्क्यत् MBh. 3,
13305. 13307. — 2) vorwärts kommen: आ देवानामपि पन्थामगन्म य-
च्छक्रवाम तदनु प्रवोळ्ळम् quantum, tantum RV. 10, 2, 3.

— अभिप्र hinführen zu Ait. Br. 6, 9.

— प्रति entgegenführen: सुपुवर्क्यति प्रति वामतेन RV. 3, 38, 2. आश्व-
गन्धं प्रतिवर्क्यमातुः सुभिविवा Hariv. 13729. — प्रत्यस्य वक् युभिः TS.
1, 3, 2, 1 ist aus VS. 3, 8 entstellt. — Vgl. प्रतिवार्क, प्रतीवार्क, प्रतिवो-
ढव्य. — caus. hinführen im Fließen, hinschwemmen: किमर्थं च सरि-
च्छ्रेष्ठा तमृषिं प्रत्यवार्क्यत् MBh. 9, 2358.

— वि 1) entführen RV. 4, 27, 3. कुरो यमस्य वक्तुं वि मूरिभिः 10,
23, 3. wegschöpfen, wegschwemmen: लोकितापगा । गताश्चनरदेहान्सा व्यु-
वाह पतितान्वहन् MBh. 8, 2379. — 2) wegführen (die Braut aus dem
Elternhause) AV. 14, 1, 13. heimführen, heirathen (ein Mädchen) überh.:
अतो ऽदत्ता च पित्रा तं भद्रे न विवर्क्यम् MBh. 1, 3384. Kull. zu M.
3, 4. नैमिर्विवर्क्येताः eheliche Verbindungen schliessen Gobh. in Ind. St.
10, 21, N. 4. विवर्क्यन्मिथः Bhāg. P. 5, 13, 13. med.: तौ देवविवाहं व्यव-
हृताम् feierten eine Götterhochzeit Ait. Br. 4, 27. Pañāy. Br. 7, 10, 1.
sich verheirathen: विवर्क्यवैदे Āc. Grh. 1, 7, 6. Çāñkh. Grh. 1, 13, 4.
व्यूढा geheirathet, verheirathet Kathās. 34, 6. 238. Bhāg. P. 10, 60, 48.
Prab. 23, 14. — व्यूढ s. auch bes. und unter 1. ऊक्त mit वि. Vgl. वि-
वाह u. s. w. — caus. 1) verheirathen (ein Mädchen) MBh. 6, 5601. Spr.
2908. Mārk. P. 51, 104. 134, 34. गान्धर्वविवाहेनात्मानं विवार्क्यत्वा Pañ-
kat. 129, 9. तेनान्धेन सक् विवार्क्यता 262, 3. — 2) heimführen, heirathen
(ein Mädchen): राजपुत्रेण किं न तावद्विवार्क्यते Kathās. 34, 228. 36, 54.
विवार्क्य 49, 231. 52, 38. 53. 84. 84, 65. Vet. in LA. (III) 18, 19. तेन गा-
न्धर्वविवाहेन सा विवार्क्यता Pañkat. 46, 11. Kathās. 124, 92.

— निर्वि, partic. निर्व्यूढ ausgeführt, vollbracht hierher oder zu 1.
ऊक्त. निर्व्यूढाद्वहन्मङ्गल Kathās. 35, 157. प्रतिज्ञात 38, 145. verbracht
Rāga-Tar. 3, 470, wenn ०निर्व्यूढ gelesen wird.

— सम् 1) zusammenführen; führen, hinüberführen AV. 2, 30, 2. 6, 48,
1. 13, 3, 17. ziehen: सीदमानानि चक्राणि समूळस्तुरगा भूशम् MBh. 8, 1116.